B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : DSE-I

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् **Group-A and Group-B** इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमतः परीक्षार्थिभिः सावधानतया स्वपठित एको विभागो निश्चेतव्यः। ततश्च यथा निर्देशं प्रश्नाः समाधातव्याः।

এই প্রশ্নপত্রে **Group-A** এবং **Group-B** এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবে।

Group-A

1. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু দশপ্রশ্নাः संस्कृतभाषया अवश्यमेव देवनागरी लिप्या च समाधेयाः 2×10=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্ন সংস্কৃত ভাষা ও অবশ্যই দেবনাগরী লিপিতে উত্তর দাও ঃ

(a) साहित्यदर्पणमनुसृत्य नान्द्याःसंज्ञा लिख्यताम्।

সাহিত্যদর্পণ অনুসারে নান্দীর সংজ্ঞাটি লেখো।

(b) साहित्यदर्पणे कियन्तः परिच्छेदाः सन्ति। पाठ्याध्यायस्य नाम किम्?

সাহিত্যদর্পণে কতগুলি পরিচ্ছেদ আছে? পাঠ্য অধ্যায়টির নাম কী?

(c) अर्थप्रकृतिः का भवति? सा कतिविधाः काः च ताः?

অর্থপ্রকৃতি কী? সেটি কয়প্রকার ও কী কী?

(d) का नाम अवस्था? अवस्थाया संख्या का? नामानि उल्लिख्यन्ताम।

অবস্থা কাকে বলে? তা কয় প্রকার? প্রকারগুলির নাম কী?

(e) 'साहित्यदर्पणः'- शब्दस्य कोऽर्थः?

'সাহিত্যদর্পণ' শব্দের অর্থ কী?

(f) 'पताकानायकस्य स्यान्न स्वकीयं फलान्तरम्'– व्याख्या कार्या।

'পতাকানায়কস্য স্যান্ন স্বকীয়ং ফলান্তরম্'— ব্যাখ্যা করো।

(g) दृश्यकाव्यं किमर्थं रूपकमित्युच्यते?

দৃশ্যকাব্যকে রূপক বলা হয় কেন?

(h) दशरूपकानां नामानि उल्लिख्यन्ताम्।

দশ প্রকার রূপকের নামগুলি লেখো।

(i) वीजस्य संज्ञा लिख्यताम्।

'বীজ'-এর সংজ্ঞাটি লেখো।

(j) साहित्यदर्पण: कीदृश: ग्रन्थ:? अस्य ग्रन्थस्य टीकाद्वयं उल्लिख्यताम्।

সাহিত্যদর্পণঃ কী ধরনের গ্রন্থ? এই গ্রন্থের দুটি টীকার নাম লেখো।

(k) दृश्यश्रव्यकाव्यसो: पार्थक्यं किम्?

দৃশ্যকাব্য ও শ্রব্যকাব্যের পার্থক্য কী?

(l) अभिनय: क:? स: कतिविध:? नामानि लिख्यन्ताम्।

অভিনয় কী? সেটি কয় প্রকার? নামগুলি লেখো।

(m) कस्तावत् सूत्रधार:?

সূত্রধার কে?

(n) पताकाप्रकर्य्यो: को भेद:?

পতাকাপ্রকরীর পার্থক্য কী?

(o) पताकास्थानकं किम्?

পতাকাস্থানক কী?

2. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু যথেচ্ছং *চতুষ্টয়স্য* উত্তরং প্রদেয়ম্। প্রশ্নদ্বয়মবশ্যম্ সুরগিরা সমাধেয়ম্। 5×4=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো চারটির* উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) সুরগিরা ব্যাখ্যায়তাম্।

সংস্কৃতে ব্যাখ্যা করো।

ভারতী সংস্কৃতপ্রায়ো বাগ্‌ব্যাপারো নটাশ্রয়:।

(b) নাটকপ্রকরণয়ো: কো ভেদ:?

নাটক ও প্রকরণের পার্থক্য কী?

(c) কা ভবতি নাটিকা? সংক্ষেপেন আলোচ্যতাম্।

নাটিকা কী? সংক্ষেপে আলোচনা করো।

(d) নাতিদীর্ঘা টীকা রচনীয়া: —

সংক্ষেপে টীকা লেখো —

আকাশভাষিতম্

আকাশভাষিত

(e) ব্যাখ্যায়তাম্ —

ব্যাখ্যা করো —

অবান্তরার্থবিচ্ছেদে বিন্দুরচ্ছেদকারণম্।

অবান্তরার্থবিচ্ছেদে বিন্দুরচ্ছেদকারণম্।

(f) আলোচ্যতাম্:

আলোচনা করো ঃ

গোপুচ্ছাগ্রসমাগ্রন্তু বন্ধনং তস্য কীর্তিতম্।

গোপুচ্ছাগ্রসমাগ্রন্তু বন্ধনং তস্য কীর্তিতম্।

3. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयस्य उत्तरं प्रदेयम् : 10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नगुलির মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) का च प्रस्तावना? कतिविधा च सा? सोदाहरणमालोच्यताम्। 2+2+6=10

প্রস্তাবনা কাকে বলে? তা কয় প্রকার? উদাহরণসহ লেখো।

(b) सन्धिः कः? सः कतिविधः भवति? तेषु प्रथमत्रयम् आलोचनीयम्। 2+2+6=10

সন্ধি কী? তা কয় প্রকার? সেগুলির মধ্যে প্রথম তিনটি আলোচনা করো।

(c) साहित्यदर्पणोद्धृतं नाटकलक्षणम् आलोच्यताम्। 10

সাহিত্যদর্পণে উল্লিখিত নাটকলক্ষণটি আলোচনা করো।

(d) अर्थोपक्षेपकः कः? स च कतिविधः? तेषु प्रथमद्वयं वर्ण्यताम्। 2+2+6=10

অর্থোপক্ষেপক কী ও তা কয় প্রকার? সেগুলির মধ্যে প্রথম দুটির বর্ণনা করো।

अथवा,

অথবা,

Group-B

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *दशप्रश्नानामुत्तरं* अवश्यमेव संस्कृतभाषया देवनागर्या च समाधेयम्: 2×10=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় এবং দেবনাগরী লিপিতে অবশ্যই লিখতে হবে ঃ

(a) 'हितोपदेशः' नाम ग्रन्थस्य रचनाकारः कः? तस्य पृष्ठपोषकः नृपः कः आसीत्?

হিতোপদেশ নামক গ্রন্থের রচনাকার কে? তাঁর পৃষ্ঠপোষক রাজা কে ছিলেন?

(b) 'हितोपदेश' इति ग्रन्थस्य उत्सः कः?

হিতোপদেশের উৎস কী?

(c) हितोपदेशस्य कति विभागाः? तेषां नामानि च उल्लिख्यन्ताम।

হিতোপদেশের কয়টি বিভাগ? তাদের নামগুলি উল্লেখ করো।

(d) प्रारम्भिके श्लोके कः देवः ग्रन्थकारेण स्तुतः? तच्छ्लोकं लिख्यताम्।

প্রারম্ভিক শ্লোকে কোন দেবতাকে গ্রন্থকার স্তব করেছেন? সেই শ্লোকটি লেখো।

(e) हितोपदेशपाठेन किं भवति?

হিতোপদেশপাঠের দ্বারা কী হয়?

(f) सन्धिविच्छिन्नं रूपं लिख्यताम्।

সন্ধিবিচ্ছিন্ন রূপ লেখো।

कदाचिदवसन्नायां रात्रावस्ताचल

কদাচিদবসন্নায়াং রাত্রাবস্তাচল।

(g) 'यस्य नास्त्यन्ध एव सः'– अस्याः उक्तेः तातपर्यं किम्?

'যস্য নাস্ত্যন্ধ এব সঃ'— এই উক্তির তাৎপর্য কী?

(h) 'बृहस्पतिरिवाब्रवीत्'– 'बृहस्पतिः' कः? कोऽत्र बृहस्पतिः एव?

'বৃহস্পতিরিবাব্রবীৎ'— বৃহস্পতি কে? কে এখানে বৃহস্পতিতুল্য?

(i) 'अस्ताचलचूडावलम्बिनि भगवति चन्द्रमसि' व्युत्पत्तिनिर्णयं क्रियताम्–भगवति; चन्द्रमसि।

'অস্তাচলচূড়াবলম্বিনি ভগবতি চন্দ্রমসি'— ব্যুৎপত্তি নির্ণয় করো— ভগবতি; চন্দ্রমসি।

(j) प्राज्ञेन किं कर्तव्यम्?

প্রাজ্ঞব্যক্তির কী করা উচিত?

(k) सर्वद्रव्येषु किं द्रव्यम् उत्कृष्टतमम्? कस्मात?

সর্বদ্রব্যের মধ্যে কোন দ্রব্য উৎকৃষ্টতম? কেন?

(l) अजातमृतमूर्खपुत्रेषु कः केन निमित्तेन प्रषकृष्टतमः?

অজাত, মৃত ও মূর্খপুত্রদের মধ্যে কে কি হেতু অপকৃষ্টতম?

(m) प्रतिशब्दाः दीयन्ताम:

প্রতিশব্দ লেখো -

अतन्द्रितः; आखुः; वैरी; निधिः।

অতন্দ্রিতঃ, আখুঃ, বৈরীঃ, নিধিঃ।

(n) मूर्खाणांकालः केन प्रकारेण गच्छति?

মূর্খদের সময় কীভাবে অতিবাহিত হয়?

(o) विधात्रा कानि पञ्च-गर्भस्थस्य एव देहिनः सृज्यन्ते?

বিধাতা কোন পাঁচটি গর্ভস্থ দেহীর সৃজন করে থাকেন?

2. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नचतुष्टयं समाधेयम्। तेषु प्रश्नद्वयं संस्कृत भाषया लेखितव्यम्: 5×4=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটি* সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) व्याख्यायताम्:

ব্যাখ্যা করো —

यौवनं धनसम्पत्तिः प्रभुत्वमविवेकिता।

एकैकमप्यनर्थाय किमु यत्र चतुष्टयम्।।

যৌবনং ধনসম্পত্তিঃ প্রভুত্বমবিবেকিতা।

একৈকমপ্যনর্থায় কিমু যত্র চতুষ্টয়ম্।।

(b) भावसम्प्रसारणं क्रियताम् —

ভাবসম্প্রসারণ করো —

गृहीत इव केशेषु मृत्युना धर्ममाचरेत्।

গৃহীত ইব কেশেষু মৃত্যুনা ধর্মমাচরেৎ।

(c) मातृभाषायामनुवद —

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো —

अथ स व्याखस्तण्डुलकणान् विकीर्य जालं विस्तीर्य च प्रच्छन्नो भूत्वा स्थितः। अस्मिन्नेव काले चित्रग्रीवनामा कपोतराजः सपरिवारो वियति विसर्पस्तुण्डुलकणानवलोकया मास। ततः कपोतराजस्तण्डुलकणालुब्धान् कपोतान् प्रत्याह।

(d) व्याख्यायताम् —

ব্যাখ্যা করো —

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।

উদ্যমেন হি সিধ্যন্তি কার্যাণি ন মনোরথৈঃ।

(e) हितोपदेशे उल्लिखितौ विद्याप्रशंसासूचकौ द्वौ श्लोकौ लिख्येताम्।

হিতোপদেশে উল্লিখিত বিদ্যাপ্রশংসাসূচক দুটি শ্লোক লেখো।

(f) अलसजनानामुक्तिः कीदृशी?

অলসজনদের উক্তি কীরূপ হয়?

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *द्वयो:* प्रश्नयो: उत्तरं प्रदेयम्: 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) हितोपदेशस्य पाठ्यांशे आलोचितान् विद्याप्रशंसासूचकान् श्लोकानाश्रित्य निबन्धमेकं रचियतु।

হিতোপদেশের পাঠ্যাংশে আলোচিত বিদ্যাপ্রশংসাসূচক শ্লোকগুলি আশ্রয় করে একটি নিবন্ধ রচনা করো।

(b) पाठ्यांशस्य विषयमनुसृत्य सदसदत्पुत्रविषये एक: निबन्ध: रचनीय:।

সদ্ ও অসৎ পুত্রবিষয়ে পাঠ্যবিষয়ানুসারে একটি নিবন্ধ রচনা করো।

(c) हितोपदेशस्य पाठ्यविषयं संक्षेपेन आलोच्यताम्।

হিতোপদেশের পাঠ্যবিষয় সংক্ষেপে আলোচনা করো।

(d) संस्कृतकथासाहित्ये हितोपदेशस्य स्थानं आलोचनीयम्।

সংস্কৃত কথাসাহিত্যে হিতোপদেশের স্থান আলোচনা করো।